

छज्जेदार मंडप 4. कबूतरों के बैठने के लिए बाँस की फट्टियों का बना ठट्टर 5. डोली के ऊपर छाया के लिए रखा हुआ ठट्टर 6. बहली या इक्के आदि के ऊपर का छाजन 7. जहाज के ऊपर का भाग 8. कुरुरमुत्ता 9. एक प्रकार का गुब्बारा या छाता जिसके सहारे वायुयान से कूदकर जमीन पर आया जा सकता है।

**छतरी बाज** पुं. (देश.) 1. छतरी या पैराशूट के सहारे वायुयान से उतर कर आक्रमण करने वाले सैनिक 2. घाव, जख्म।

**छतिया स्त्री.** (देश.) दे. छाती।

**छतियाना** स.क्रि. (देश.) 1. छाती से लगाना, सटाना 2. बंदूक छोड़ने के समय कुंदे को छाती के पास लगाना, बंदूक तानना।

**छतीसा** वि. (देश.) 1. चतुर, सयाना, चालाक 2. मक्कार, धूर्त प्रयो. नाई की जाति स्वभावतः छत्तीसी होती है।

**छत्ता** पुं. 1. (तद्.) छाता, छतरी 2. छत, जिसके नीचे से रास्ता हो 3. मधुमक्खी, भिड़ आदि के रहने का घर जो मोम का होता है, जिसमें बहुत से खाने होते हैं 4. छाते की तरह दूर तक फैली हुई वस्तु 5. कमल का बीज कोष 6. छत्रसाल राजा।

**छत्तीस** वि. (तद्.) जिसमें तीस और छह की संख्या मिली हो, तीस और छह की मिली संख्या।

**छत्तीसा** पुं. (तद्.) 1. नाई, हजाम, छत्तीस जातियों की सेवा करने वाला मुहा. छत्तीसी करना- धूर्तता या धोखेबाजा करना; छत्तीसी होना- ढोंगी का काम करना।

**छत्र** पुं. (तत्.) 1. छाता, छतरी 2. राजचिह्न के रूप में प्रयुक्त होने वाला छाता 3. कुरुरमुत्ता, खुमी 4. छतरिया विष 5. गुरु या श्रेष्ठजन के दोष का गोपन।

**छत्रक** पुं. (तत्.) 1. छतरी, कुरुरमुत्ता, शहद का छत्ता 2. शिव मंदिर, कौडिल्ला नामक चिड़िया, मछरंग।

**छत्रधारी** वि. (तत्.) जो राज चिह्न छत्र धारण करे पुं. 1. छत्र धारण करने वाला, राजा 2. राजा के ऊपर राज चिह्न, लगाने वाला सेवक।

**छत्रपति** पुं. (तत्.) 1. राजा, महाराज, चक्रवर्ती शासक, सम्राट 2. शिवाजी की उपाधि, स्वतंत्र शासक की राजकीय उपाधि।

**छत्रपत्र** पुं. (तत्.) 1. स्थल पद्म 2. भोज पत्र का वृक्ष 3. मान पत्ता 4. छितवन।

**छत्रपुत** पुं. (तद्.) राजपूत, क्षत्रिय का बेटा।

**छत्र भंग** पुं. (तत्.) 1. राजा का नाश 2. ज्योतिष का एक योग जो शासक का नाश करने वाला माना गया है 3. वैधव्य 4. अराजकता, पराधीनता।

**छत्रवती स्त्री.** (तत्.) पांचाल के दक्षिण में पड़ने वाला अहिच्छत्र नामक एक राज्य जिसे जीतकर अर्जुन ने द्रोणाचार्य को गुरुदक्षिणा में दिया था।

**छत्राक** पुं. (तत्.) कुरुरमुत्ता, तालमखाने की जाति जैसा एक पौधा।

**छत्री** वि. (तत्.) 1. छत्रयुक्त, छत्रधारण करने वाला पुं. नापित, नाई।

**छत्वर** पुं. (तत्.) 1. घर 2. कुंज।

**छद** पुं. (तत्.) 1. ढकने वाली वस्तु, आवरण, (चादर, ढक्कन, छाल आदि) 2. चिड़ियों का पंख 3. पत्ता, पर्ण 4. ग्रंथि पर्णी नामक वृक्ष, गँठिवन 5. तमाल वृक्ष 6. तेजपत्रा 7. म्यान, खोल।

**छदन** पुं. (तत्.) 1. आवरण, आच्छादन, ढक्कन 2. पत्ता 3. चिड़ियों का पंख।

**छदाम** पुं. (देश.) पैसे का चौथाई भाग जो पहले प्रचलित था, टुकड़ा।

**छदि स्त्री.** (तत्.) 1. मकान की छत 2. गाड़ी के ऊपर की छत, ढकना।

**छद्म** पुं. (तत्.) 1. छिपाव, गोपन 2. ब्याज, बहाना 3. छल, कपट, धोखा 4. झूठ।

**छद्मवेश** पुं. (तत्.) दूसरों को धोखा देने के लिए बनावटी पोशाक, कृत्रिम वेश।

**छद्मवेशी** वि. (तत्.) जो वेश बदले हो, जो अपना असली रूप छिपाए हो।

**छद्मी** वि. (तत्.) बनावटी वेशधारी, असली रूप छिपाने वाला, कपटी, छली।

**छनकना** अ.क्रि. (देश.) किसी वस्तु को वेग से फेंकना, छन-छन शब्द करना।